राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 292 | जौनपुर | गुरुवार, 12 जून 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

भाजपा महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव का निधन

गोरखपुर, संवाददाता। भाजपा महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव का बुधवार की सुबह अचानक निधन हो गया है। अभी हाल में ही वो महानगर अध्यक्ष बनाए गए थे। राजनीतिक शुरूआत इनकी भाजपा से ही हुई और इनका निधन भी पार्टी की सेवा करते हुआ। निधन की सूचना पाकर भाजपा नेताओं में शोक की लहर है। 16 मार्च को इनका चयन भाजपा महानगर अध्यक्ष के लिए हुआ था। बताया जाता है कि रोज की तरफ देवेश श्रीवास्तव सुबह पूजा पाठ कर दिन की शुरूआत की। इसी दौरान उन्हें दिक्कत होने पर परिवारीजन पहले शहर के एक निजी अस्पताल में ले गए। वहां हालत गंभीरह होने और जवाब देने के बाद परिवार के लोग जिला अस्पताल के इमरजेंसी में लेकर गए। इमरजेंसी में ही उन्होंने अपनी अंतिम सांसे गिनी। बता दें कि 16 मार्च को भाजपा ने 40 नए जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष के नामों की घोषणा की थी।

संक्षिप्त खबरें

आप बिहार में सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव

बिहार, एजेंसी। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने बड़ा ऐलान किया है। आम आदमी पार्टी ने सभी सीटों पर पार्टी चुनाव लड़ने का फैसला किया है। आप दिल्ली के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पार्टी ने फैसला किया है कि वह बिहार में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। गुजरात उपचुनाव के दौरान यह तय हुआ था कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी निर्धारित सीटों पर चुनाव लड़ेंगी, लेकिन आखिरी सीट पर कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ उम्मीदवार घोषित कर दिया। हम बिहार चुनाव स्वतंत्र रूप से लड़ रहे हैं। आम आदमी पार्टी राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठित करने और मतदाताओं तक दिल्ली विकास मॉडल पहुँचाने के लिए बिहार में भी केजरीवाल अभियान चला रही है। आप के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राकेश यादव सात चरणों वाली इस यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत अप्रैल में हुई थी और यह राज्य के अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र को कवर कर चुकी है। आप के बिहार प्रभारी अजेश यादव ने कहा कि बिहार के हर गांव के लोग दिल्ली में हैं और उन्होंने देखा है कि आप सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य से लेकर बुनियादी ढांचे तक के क्षेत्रों में कितना विकास किया है। पूर्वांचल में आप की अच्छी पकड़ है।

फारूक अब्दुल्ला ने किए माता वैष्णो देवी के दर्शन

जम्मू, एजेंसी। जम्मू– कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि माता के दर्शन करने के बाद मेरा हृदय मंत्रमुग्ध हो गया। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे माता के दर्शन का अवसर मिला। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में यहां पर पर्यटकों की आमद बढ़ेगी, जिससे यहां के स्थानीय लोगों को काफी फायदा पहुंचेगा। हमने जो भी मांगें रखी हैं, उन्हें निश्चित तौर पर पूरा किया जाएगा। हमारी मांगों को पूरा करने में कोई भी कदम पीछे नहीं खींचेगा।

हमारी बस एक ही ख्वाहिश है कि यहां पर अमन–शांति स्थापित हो। लोग यहां पर सुकून से रहें। यहां पर सभी लोग आगे बढ़ सकें। सभी भाईचारे से रहें। भारत आगे बढ़े और हम सब इसकी तरक्की में अहम भूमिका निभाएं। जम्मू–कश्मीर के पूर्व सीएम ने वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन से की गई यात्रा का अनुभव साझा किया। बोले, यह ट्रेन बहुत अच्छी है। इसका सफर आरामदायक है। निसंदेह, इस ट्रेन के आने के बाद यहां की आर्थिक गतिविधियों को नई तेजी मिलेगी, जिससे यहां पर आने वाले दिनों में चौतरफा विकास की बयार बहेगी।

दिल्ली–एनसीआर में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली के लिए नया रेड अलर्ट जारी किया है।

भीषण गर्मी की चेतावनी देते हुए आईएमडी ने दिल्ली के लिए अपने ऑरेंज अलर्ट को संशोधित कर रेड कर दिया है। राष्ट्रीय राजधानी के लिए जारी किए गए नाउकास्ट के अनुसार, यह रेड अलर्ट बुधवार और गुरुवार को भी जारी रहेगा। दोपहर 2 बजे जारी बुलेटिन के आधार पर मौसम विभाग ने कहा है कि दिल्ली–एनसीआर में लू का प्रकोप जारी रहेगा तथा तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाएगा। आईएमडी ने कहा कि दिल्ली–एनसीआर में कई स्थानों पर लू चलने की संभावना है। तापमान 44 डिग्री सेल्सियस से 46 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के सफदरजंग सबस्टेशन में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, आयानगर में अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, ये दोनों तापमान सामान्य से अधिक हैं। राजधानी में सुबह के समय नमी का स्तर 39 प्रतिशत के मध्यम स्तर पर रहा, लेकिन गर्मी और शुष्क दक्षिण–पश्चिमी हवाओं के संयोजन ने परेशानी और बढ़ा दी है।

योगी सरकार 2,000 करोड़ रुपए खर्च कर प्रदेश के 28,830 चौराहों का करेगी कायाकल्प

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश को उत्तम कनेक्टिविटी युक्त प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार प्रदेश में 2,000 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च कर 28,830 चौराहों का कायाकल्प करेगी। सीएम योगी के निर्देशों को ध्यान में रखकर लोकनिर्माण विभाग ने एक खाका तैयार किया है। इसके अनुसार, प्रदेश में वर्ष 2021 से 24 के बीच 1,435 ब्लैक स्पॉट्स पर दीर्घकालिक और अल्पकालिक सुधार कार्यों को पूरा किया गया है। वहीं, प्रदेश में बड़े स्तर पर दो लेन से कम चौड़ाई वाले मार्गों को न्यूनतम दो लेन (पेव्ड शोल्डर युक्त) करने की तैयारी है, जिससे पैदल यात्रियों को सहूलियत मिलेगी। इसके साथ ही, 50 किमी से अधिक लंबाई वाले राज्यमार्गों पर ट्रक ले–बाई के निर्माण कार्य में भी तेजी लाने की तैयारी है। इन सभी कार्यों के जरिए प्रदेश में रोड सेफ्टी को बढ़ावा देने और यातायात सुधार की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। लोकनिर्माण विभाग की कार्ययोजना के अनुसार, ऐसे राज्य मार्ग जिनकी चौड़ाई दो लेन से कम है या फिर दो लेन होने के बावजूद वहां पेव्ड शोल्डर कार्यों को पूरा नहीं किया गया है, उसे पूरा करने पर योगी सरकार का फोकस है। प्रक्रिया के जरिए 748 करोड़ रुपए की लागत से 895 पेव्ड शोल्डर की चौड़ाई के कार्यों को पूरा किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी राज्यमार्ग कम से कम 2 लेन चौड़े तथा पेव्ड शोल्डर युक्त हों, जिससे पैदल यात्रियों व साइकिल इत्यादि से चलने वाले राहगीरों की सुविधा व सुरक्षा में इजाफा होगा। प्रक्रिया के अंतर्गत 50 किमी से अधिक लंबाई वाले राज्यमार्गों पर ट्रक ले–बाई के निर्माण कार्य को पूरा करने की तैयारी है। इसके लिए

कुल 102 कार्य निर्धारित हैं, जिसके जरिए 8,887.88 किमी की लंबाई पर इन कार्यों को पूरा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में ऐसे स्थान जहां यातायात परिवहन की वास्तविक गति निर्माण के दौरान प्रस्तावित डिजाइन गति से 50 प्रतिशत या कम है।

भाजपा के विकास और निवेश की तरह इनकी जांच और इलाज भी कागजी – अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने एक एक्स–रे का वीडियो जारी कर स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल

उठाया। अखिलेश ने कहा कि भाजपा के विकास और निवेश की तरह इनकी जांच और इलाज भी कागजी ही है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा, यह भाजपा के कुशासन का एक्स–रे है। भाजपा के विकास और निवेश की तरह इनकी जांच और इलाज भी कागजी ही है। यह गंभीर जांच का विषय है कि कहीं ये असंभव कागजी एक्स–रे किसी और के मूल एक्स–रे की फोटोकॉपी तो नहीं, इसे किसी और का बताकर केवल कागजी खानापूर्ति की जा रही हो और गलत चिकित्सा –उपचार भी किया जा रहा हो। तुरंत जांच पर जांच बैठाई जाए, और सच्ची रिपोर्ट बाहर लाई जाए। वीडियो के नीचे कैप्शन में लिखा है कि योगी जी के शासन में कमाल की एक्स–रे रिपोर्ट कागज में दी जा रही है। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री को हिदायत देते हुए कहा कि इधर–उधर की राजनीति छोड़कर अपने मंत्रालय पर ध्यान दें।

कागज में एक्स–रे की रिपोर्ट सुल्तानपुर मेडिकल कॉलेज की बताई जा रही है, जो कि सोशल मीडिया में वायरल हो रही है। इसके पहले आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने भी इस मामले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो शेयर किया और लिखा, क्या आपने कभी कागज के पन्ने पर एक्स–रे फिल्म ली है? नहीं तो सुल्तानपुर के मेडिकल कॉलेज में आइए, यहां कई सालों से कागज के पन्ने पर एक्स–रे मिलता है। कोई नियमित रेडियोलॉजिस्ट भी मेडिकल कॉलेज में नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली फर्जी भाषणों से दूर नहीं होगी। भाजपा मतलब बर्बादी। इसके अलावा सपा मुखिया ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि भाजपा में जो लोग अपने समाज को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किए जाने के बाद उपेक्षित किए जाने के 'साक्षी' हैं, वे जब सच्चे मन से बोलते हैं तो सच ही बोलते हैं। उनके बयान और भाषण भाजपा को अंतिम चुनौती नहीं हैं बल्कि भविष्य का उद्घोष हैं क्योंकि वे भी जानते हैं कि 'पीडीए' ही उनका स्वाभाविक और स्थायी पड़ाव है, जहां हर पीडीए से सच्चा लगाव है। बाकी क्या कहना, वे स्वयं और उनका समाज स्वयं ही अपने मान–सम्मान को लेकर बेहद जागरूक, सक्रिय और समझदार है। थोड़े लिखे को ज्यादा समझिएगा।

उत्तर प्रदेश के किसानों को मोदी सरकार की सौगात

उत्तर प्रदेश, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के किसानों के हित में मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मूंगफली और मूंग को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की स्वीकृति दे दी है। बुधवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग हुई। इसमें शाही ने केंद्रीय कृषि मंत्री को अवगत कराया कि जायद 2024–25 में उत्तर प्रदेश में मूंग का आच्छादन 1.60 लाख हेक्टेयर और मूंगफली का आच्छादन 1.74 लाख हेक्टेयर रहा है। उन्होंने प्रदेश के किसानों द्वारा उत्पादित जायद की मूंगफली और मूंग को एमएसपी

पर खरीदने का आग्रह किया, जिसे केंद्रीय कृषि मंत्री ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। जायद 2024–25 के लिए मूंग के क्रय का लक्ष्य 34,720 मीट्रिक टन और मूंगफली के क्रय का लक्ष्य 50,750 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। केंद्र सरकार के इस निर्णय से बड़ी संख्या में प्रदेश के किसान लाभान्वित होंगे। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह भी आश्वासन दिया है कि आवश्यकता पड़ने पर मूंगफली और मूंग के क्रय के लक्ष्य में वृद्धि की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, उड़द के क्रय के संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होने पर उसका अनुमोदन भी प्रदान कर दिया जाएगा। किसानों के हित में लिए गए इस अभूतपूर्व निर्णय के लिए कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है। प्रदेश के कृषि मंत्री ने केंद्र सरकार से यह भी आग्रह किया है कि जायद में लगभग 4.80 लाख हेक्टेयर में व्यापक पैमाने पर हो रही मक्का की खेती के उत्पादन को भी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाए, जिससे प्रदेश के किसानों को अतिरिक्त आय प्राप्त हो सके।

100 दिनों में पिछली सरकार से ज्यादा किया है काम – प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने बुधवार को कहा कि भाजपा सरकार ने अपने पहले 100 दिनों में इतना काम कर दिया है, जितना पिछली सरकार 10 साल में नहीं कर पाई। प्रवेश वर्मा ने दिल्ली शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में भाग लेने के बाद पत्रकारों से बात की। वर्मा ने कहा कि दिल्ली सरकार के शिक्षा विभाग ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया है। मैं सभी दिल्लीवासियों से अपील करता हूं कि वे अपने घर के पास के पार्क में अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाएं। भाजपा नेता ने कहा कि हमने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि सभी घरों तक पानी पहुंचे। इसे और बेहतर बनाने और बदलाव देखने में कुछ समय लगेगा। पानी की मांग अब बढ़ गई है। हमारे अधिकारी निगरानी कर रहे हैं कि कहीं भी पानी की कमी न हो और गंदे पानी की समस्या पर भी काम किया जा रहा है। प्रवेश वर्मा ने संवाददाताओं से कहा, हमारी सरकार ने 100 दिनों में इतना काम कर दिया है जितना पिछली सरकार 10 साल में नहीं कर पाई। सोमवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 कार्यक्रम में भाग लिया।

भारत के पास पीओके पर नियंत्रण करने का था मौका – ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने मंगलवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा की तथा जवाबी कार्रवाई के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की प्रशंसा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि दोनों देशों के बीच हाल ही में हुई सैन्य झड़प के दौरान भारत के पास पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर नियंत्रण करने का अवसर था। राज्य विधानसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि केंद्र सरकार देश के लोगों को सुरक्षा प्रदान करने में विफल रही है। उन्होंने पूछा, यह कायराना हमला हमारे नागरिकों की सुरक्षा करने में केंद्र की विफलता को उजागर करता है।

जबकि हमारे जवानों ने बेजोड़ बहादुरी दिखाई, केंद्र बार–बार हो रही सुरक्षा चूक के बारे में क्या कर रहा है? ममता ने अपने भाषण में आतंकवाद को लेकर स्पष्ट रुख अपनाया। उन्होंने कहा, ष्हम आतंक का समर्थन नहीं करते। आतंक का कोई जाति, समुदाय या धर्म नहीं होता। आतंक तो आतंक ही होता है। पहलगाम हमले के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। हम अपने जवानों से लेकर इस भीषण हमले में जान गंवाने वालों तक सभी को श्रद्धांजलि देते हैं। मैं उन स्थानीय मुस्लिमों को भी सलाम करती हूं जिन्होंने हिंदुओं को बचाने के लिए हमलावरों से लड़ाई लड़ी। हम अपने सशस्त्र बलों की बहादुरी को सलाम करते हैं। आतंकवादियों को सबक सिखाने की जरूरत है। ममता बनर्जी ने भारत के कूटनीतिक रुख पर भी टिप्पणी करते हुए कहा, मुझे नहीं पता कि हमारी अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति में कोई समस्या है या नहीं, पाकिस्तान को वैश्विक स्तर पर घिरे रहने के बजाय आईएमएफ से ऋण मिला। इस दौरान बीजेपी विधायक अग्निमित्रा पॉल ने ममता के भाषण पर आपत्ति जताई, जिसके जवाब में ममता ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने अग्निमित्रा पॉल पर निशाना साधते हुए कहा, ष्आप हाल ही में राजनीति में आई हैं। हमें राजनीति न सिखाएं। आप फैशन के बारे में समझती हैं, उस पर बोलें, लेकिन राजनीति पर नहीं।ष सीएम बनर्जी का यह बयान विधानसभा में तनाव का कारण बन गया और बीजेपी के सदस्यों ने इसका विरोध किया। सीएम ममता बनर्जी ने अपने संबोधन के दौरान विशेष सत्र की मांग को दोहराया और कहा कि इस तरह के मुद्दों पर राजनीति से ऊपर उठकर चर्चा होनी चाहिए। हमारी विधानसभा ने जवानों के सम्मान में यह कदम उठाया है, और यह एक मिसाल है।

जयराम रमेश ने पीएम नरेंद्र मोदी पर बोला हमला, पहलगाम हमले किए गंभीर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर और भारत पाकिस्तान युद्ध को लेकर सीजफायर के बाद से कांग्रेस महासचिव और पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश लगातार केंद्र की भाजपा सरकार और पीएम मोदी को लेकर हमलावर हो रहे हैं। कांग्रेस नेता ने पीएम मोदी को लेकर फिर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा है कि अब जबकि प्रधानमंत्री स्वयं उन सात संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से मिल चुके हैं जिन्हें 32 देशों में भेजा गया था, क्या वे अब कम से कम–

1. सभी राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक बुलाकर उन्हें चीन और पाकिस्तान के प्रति भारत की भावी रणनीति तथा सिंगापुर में ब्वै द्वारा किए गए खुलासों के सामरिक निहितार्थों पर विश्वास में लेंगे?

2. मानसून सत्र में देश की सुरक्षा और विदेश नीति को लेकर पहलगाम हमले के बाद उत्पन्न चुनौतियों पर विस्तृत बहस कराने को तैयार होंगे, विशेषकर जब इंडिया गठबंधन द्वारा विशेष सत्र की मांग दुर्भाग्यपूर्ण रूप से ठुकरा दी गई है?

3. पहलगाम आतंकवादी हमलावरों को न्याय के कटघरे में लाने के प्रयास दोगुने करेंगे, जिनके बारे में रिपोर्ट है कि वे पहले भी पुंछ (दिसंबर 2023), गगनगीर और गुलमर्ग (2024) के तीन आतंकी हमलों में शामिल रह चुके हैं?

4. जुलाई 1999 में गठित कारगिल समीक्षा समिति (जिसकी अध्यक्षता वर्तमान विदेश मंत्री के पिता ने की थी) की तर्ज पर क्या विशेषज्ञों का एक समूह गठित किया जाएगा, जो ऑपरेशन सिंदूर का विस्तार से विश्लेषण करे और भविष्य

के युद्धों को लेकर अपनी सिफारिशें दे– जिनमें नए सैन्य प्लेटफॉर्म्स और तकनीक का विकास, संकट की स्थिति में रणनीतिक संचार क्षमताओं का निर्माण आदि शामिल हों? और क्या इस समिति की रिपोर्ट –आवश्यक संशोधनों और गोपनीय अंशों को हटाने के बाद –संसद में प्रस्तुत की जाएगी, ठीक वैसे ही जैसे फरवरी 2000 में कारगिल समीक्षा समिति की रिपोर्ट संसद में रखी गई थी?

बिहार में कानून–व्यवस्था पर तेजस्वी का नीतीश पर हमला

पटना, एजेंसी। राजद नेता और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की बिगड़ती कानून–व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोला है। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि नीतीश सरकार के शासन में अपराध चरम पर है और अपराधी बेलगाम हो चुके हैं, जबकि मुख्यमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं। तेजस्वी यादव ने कहा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाक के नीचे हर दिन हत्या, अपहरण और लूट की घटनाएं हो रही हैं। अपराधी बेखौफ हैं, लेकिन नीतीश कुमार एक शब्द भी बोलने को तैयार नहीं हैं। इतनी बड़ी–बड़ी घटनाएं हो रही हैं, फिर भी मुख्यमंत्री की कोई प्रतिक्रिया नहीं आती। उन्होंने सवाल उठाया कि बिहार में कानून–व्यवस्था अपराध–व्यवस्था में कैसे तब्दील हो गई है। तेजस्वी यादव ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 2005 के बाद से बिहार में अपराध लगातार बढ़ रहा है। तेजस्वी यादव ने पुलिस पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पुलिस केवल वसूली, आम जनता को परेशान करने और गरीबों को प्रताड़ित करने में लगी है, लेकिन अपराधियों को छूने की हिम्मत नहीं दिखा रही। उन्होंने कहा, पुलिस का डर अपराधियों के मन से खत्म हो चुका है। विश्वेश्वरैया भवन के सामने खुलेआम गोलियां चल रही हैं। पटना का वीआईपी इलाका, मुख्यमंत्री आवास से महज एक किलोमीटर की दूरी, सुरक्षित नहीं है, तो बिहार कैसे सुरक्षित होगा? तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को ष्थका हुआ मुख्यमंत्रीष करार देते हुए कहा कि उनसे अब बिहार नहीं संभल रहा। सीएम नीतीश कुमार भ्रष्ट अधिकारियों के साथ मिलकर राज्य चला रहे हैं। बिहार सुरक्षित हाथों में नहीं है। नीतीश कुमार थक चुके हैं। बिहार के लोग अब बदलाव चाहते हैं। एक नई सरकार जो पढ़ाई, दवाई, सिंचाई और कमाई की बात करे, जनता के लिए काम करे।

संपादकीय

महाकुंभ भगदड़ पर नए सवाल

जनता की सहनशक्ति, उसकी कमजोर स्मरणशक्ति या अन्याय के आगे खामोश रहने की आत्मघाती प्रवृत्ति, कारण जो भी हो, लेकिन ऐसी ही किसी वजह से देश में मानवनिर्मित (सरकार निर्मित पढ़ा जाए) आपदाएं थम ही नहीं रही हैं। छह महीने पहले महाकुंभ में भगदड़ मची थी, वह भी ऐसी ही एक आपदा थी। भाजपा सरकार ने इस महाकुंभ का आयोजन कुछ इस अंदाज में किया था मानो देश में मोदीजी सत्ता में हैं तो महाकुंभ का योग बना, अन्यथा नक्षत्र–तारे तो अपनी चाल बदल लेते। 144 साल बाद महाकुंभ का अद्भुत संयोग बना है, यही श्रद्धालुओं को बताया गया। देश ही नहीं विदेशों से भी आध्यात्म का सुख लेने लोग आ रहे हैं, इस बात को सगर्व सरकार और मीडिया ने प्रस्तुत किया। यानी कुंभ में डुबकी लगाने वाले तो सांसारिक मोह–माया से ऊपर उठे, मगर सरकार इसी में खुश होती रही कि कितने विदेशियों ने यहां डुबकी लगाई। पूरे देश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे थे। बहुतों को धर्म का पालन करना था, बहुतों को भेड़ चाल का हिस्सा बनना था कि जब इतने लोग पहुंच रहे हैं तो हम भी पहुंच जाए। सरकार चाहती भी यही थी कि महाकुंभ के लिए रिकार्डतोड़ आगंतुक पहुंचें। रोजाना आंकड़े पेश होते थे, आज इतने लाख लोगों ने डुबकी लगाई, आज इतने लाख लोग और पहुंच गए। बताया गया कि करीब 7 हजार करोड़ रुपए महाकुंभ के आयोजन में खर्च हुए और 66 करोड़ लोग 45 दिन में पहुंचे। सब कुछ अच्छे से चल रहा था और सरकार चाहती भी यही थी कि इस सफल आयोजन की गूंज पूरी दुनिया में जाए। दुनिया के उन्नत देश ओलंपिक, फुटबॉल वर्ल्ड कप जैसे आयोजनों से जब अपनी धाक जमा सकते हैं, तो भारत महाकुंभ के जरिए अपनी धूम मचाना चाहती थी। लेकिन 29 जनवरी को मची भगदड़ ने महाकुंभ की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। पहले तो उप्र सरकार ने यह स्वीकार ही नहीं किया था कि भगदड़ हुई है, जबकि दिल्ली से प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने मृतकों के लिए श्रद्धांजलि पेश कर दी। इसके बाद सरकार ने माना कि भगदड़ हुई है, लेकिन उसमें कितने हताहत हुए, यह आंकड़े पहले पेश नहीं किए गए। जो पेश हुए, उनकी सच्चाई पर सवाल उठे। क्योंकि जहां एक साथ लाखों लोग मौजूद थे, वहां मौतों का आंकड़ा 37 बताया गया, जबकि कई पत्रकारों ने कहा था कि उन्होंने मुर्दाघरों में कहीं ज्यादा लाशें गिनी हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी जब राज्यसभा में कुंभ में हजारों मौतों का हवाला दिया था तो भाजपा सांसदों ने उन्हें टोका था कि वे गलत कह रहे हैं। तब श्री खड़गे ने कहा था कि आप सही आंकड़े बता दीजिए। लेकिन संसद में इस पर मोदी सरकार ने चर्चा होने ही नहीं दी और उप्र विधानसभा में आदित्यनाथ योगी ने 37 मौतों का आंकड़ा दिया, साथ ही बताया कि इन्हें मुआवजा भी दिया गया है। लेकिन अब मीडिया संस्थान बीबीसी की रिपोर्ट ने महाकुंभ पर नए सवाल खड़े किए हैं। बीबीसी ने महाकुंभ की भगदड़ में प्रभावित लोगों के परिजनों से मुलाकात की, 11 राज्यों में 50 से अधिक जिलों में करीब सौ परिवारों से बीबीसी रिपोर्ट्स ने मुलाकात की, तब पता चला कि कम से कम 82 लोगों की मौत भगदड़ में हुई है। इन 82 मौतों को बीबीसी ने मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा है. पहली श्रेणी उन मृतकों की है।

बढ़ते आयात से स्थानीय विनिर्माण को भारी नुकसान

आदित्य

आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित मेक–इन–इंडिया पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। भारत के आर्थिक विकास के आंकड़े घरेलू विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन और रोजगार सृजन से तेजी से अलग होते जा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश की 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र का अत्यल्प योगदान रहा, जो चार वर्षों में सबसे ऊपर था। पिछले साल अच्छे मानसून के बावजूद, दूसरी छमाही (अक्टूबर–मार्च) में देश के कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत रही। 2024–25 के लिए औद्योगिक विकास दर केवल 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे कम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में देश का औद्योगिक उत्पादन आठ महीने के निचले स्तर 2.7 प्रतिशत पर आ गया। तब फिर देश की जीडीपी वृद्धि को कौन आगे बढ़ा रहा है? जाहिर है, देश का कम भरोसेमंद विशाल सेवा क्षेत्र, जिसे भारी आयात आधार दे रहा है। विडंबना यह है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत के कुल आयात में 6.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो देश की जीडीपी वृद्धि दर से थोड़ा अधिक है। इससे कुछ हद तक गलत धारणा बन सकती है कि जीडीपी वृद्धि आयात वृद्धि से जुड़ी हुई है। अनियंत्रित आयात, मुख्य रूप से चीन से, भारत की घरेलू उत्पादन पहल और देश के नयी नौकरी सृजन एजेंडे को कमजोर कर रहे हैं। भारत से चीन को आयात तेजी से घट रहा है। पिछले वित्त वर्ष में, चीन से भारत का आयात 113 अरब डॉलर से अधिक था, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक था। चीन से आयात किये जाने वाले शीर्ष उत्पादों में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी, कार्बनिक रसायन और प्लास्टिक शामिल थे, जिनमें से अधिकांश का निर्माण भारत में किया जाना चाहिए था। इस वृद्धि ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ाने में योगदान दिया। इसके विपरीत, चीन को भारत का माल निर्यात पिछले साल के 16. 66अरब डॉलर से घटकर केवल 14. 25 बिलियन डॉलर रह गया। निर्यात–प्रधान चीन भारत से कुछ भी आयात करना पसंद नहीं करता है। सरकार में कोई भी व्यक्ति देश में साल दर साल, खास तौर पर चीन से आयात में हो रही भारी वृद्धि के बारे में चिंतित नहीं दिखता। आयात ज्यादातर घरेलू उत्पादन और स्थानीय नौकरियों की कीमत पर होता है। कोई भी देश केवल माल का आयात नहीं करता। वह श्रम का भी आयात करता है, जो आयातित उत्पादों के निर्माण में जाता है। चीन भारत का शीर्ष आयात स्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्रोत है। पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है। आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित श्मेक–इन–इंडियाश पहल को बहुत कम सफलता मिली, जो विदेशी औद्योगिक निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित कर सकती थी, जैसा कि उन्होंने कई वर्षों तक कम्युनिस्ट चीन में किया था। विदेशी निवेशकों को सरकार के राजनीतिक रंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। 2025 के पहले तीन महीनों में, चीन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 36.9अरब अमेरिकी डॉलर के बराबर था। पूरे 2024–25 के दौरान भारत में मात्र 0.4अरब डॉलर के एफडीआई प्रवाह के आकलन पर विचार करें। एक साल पहले यह 10.1अरब डॉलर था। गत वर्ष का आंकड़ा शायद देश के वार्षिक एफडीआई प्रवाह रिकॉर्ड में सबसे खराब प्रदर्शन है, जबकि सरकार भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरने की बात करती रहती है। भारत के अपने औद्योगिक उद्यमी देश में बहुत कम निवेश कर रहे हैं। इसके बजाय, वे विदेश में निवेश करने में लिप्त हैं सिंगापुर, अमेरिका, यूएई, मॉरीशस और नीदरलैंड ने मिलकर ओवरसीज एफडीआई (ओएफ डीआई)में आधे से अधिक की वृद्धि की। देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में वित्त वर्ष 2024–25 के लिए केवल चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि मार्च 2024 में दर्ज 5.5 प्रतिशत से कम है। विनिर्माण क्षेत्र में और मंदी का अनुभव हुआ, जो वर्ष के लिए 4.5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2023–24 में 12.3 प्रतिशत से काफी कम है। केवल तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले वित्तीय वर्ष की अप्रैल–अक्तूबर अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में चार प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी 12 प्रतिशत से कम बनी हुई है।

राष्ट्रवाद का झंडा और राष्ट्रीय सुरक्षा का शोकगीत

अनिल

भारतीय सेना अपने मिशन में काफी हद तक कामयाब होने के बाद पाकिस्तानी सेना के हमलों का भी मुंहतोड़ जवाब दे रही थी, तब अचानक संघर्ष विराम का फैसला हो गया, जिसका ऐलान भारत या पाकिस्तान की ओर से नहीं बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से हुआ। यही नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कश्मीर मसले पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बनने की बात भी कही। प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल का पहला साल पूरा कर लिया है। वैसे उन्हें प्रधानमंत्री बने 11 साल हो गए हैं। 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री बनने से पहले वे करीब साढ़े बारह साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे थे। उस भूमिका में रहते हुए उन्होंने प्रचार माध्यमों के जरिए अपनी छवि विकास पुरुष की बनाई थी। इसी छवि के सहारे वे प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में उन्होंने देश की जनता से 60 महीने मांगते हुए कई वादे किए थे और तरह–तरह के सपने दिखाए थे। उनके वादों और सपनों का लब्बो–लुआब यह था कि वे पांच साल में भारत को विकसित देशों की कतार में ला खड़ा कर देंगे। देश की जनता ने उनके वादों पर ऐतबार करते हुए उन्हें न सिर्फ पांच साल का एक कार्यकाल सौंपा बल्कि उस कार्यकाल में तमाम मोर्चों पर उनकी नाकामी के बावजूद उन्हें पूर्ण बहुमत के साथ पांच साल का दूसरा कार्यकाल भी दे दिया। यही नहीं, इस दौरान कई राज्यों में भी भाजपा की सरकारें बन गईं– कहीं स्पष्ट जनादेश से तो कहीं विपक्षी विधायकों की खरीद–फरोख्त के जरिए जनादेश का अपहरण करते हुए। इसके बावजूद हर मोर्चे पर उनकी नाकामियों का सिलसिला न सिर्फ जारी रहा बल्कि तेज गति से जारी रहा। यही वजह रही कि मोदी को तीसरा कार्यकाल आसानी से हासिल नहीं हुआ। इसके लिए उन्हें चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था का घोर दुरुपयोग, विपक्षी दलों और नेताओं का निर्ममतापूर्वक दमन, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और लालच व दबाव के जरिये मीडिया के बंधयाकरण का सहारा लेना पड़ा। यह सब करने के बावजूद उनकी पार्टी बहुमत से काफी दूर रही और वे सहयोगी दलों की बैसाखियों के सहारे ही सरकार बना सके। मोदी सरकार के दो कार्यकाल तो देश के आम आदमी के लिए तमाम तरह की दुश्वारियों से भरे हुए रहे ही और तीसरे कार्यकाल का पहला साल भी न सिर्फ बेहद निराशाजनक रहा है बल्कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत राष्ट्र की जो छवि थी, वह भी पूरी तरह चौपट होती दिख रही है। बहरहाल 11वें साल की चर्चा करने से पहले मोदी के उस भाषण को भी याद लेना चाहिए, जो उन्होंने 11 साल पहले प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार लाल किले से दिया था। मोदी ने मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने बाद जब 15 अगस्त, 2014 को स्वाधीनता दिवस पर लाल किले से पहली बार देश को संबोधित किया था तो उनके भाषण को समूचे देश ने ही नहीं बल्कि दुनिया के दूसरे तमाम देशों ने भी बड़े गौर से सुना था। विकास और राष्ट्रवाद की मिश्रित लहर पर सवार होकर सत्ता में आए मोदी ने अपने उस भाषण में देश की आर्थिक और सामाजिक तस्वीर बदलने का इरादा जताते हुए देशवासियों और खासकर अपनी पार्टी तथा उसके सहमना संगठनों से अपील की थी कि अगले दस साल तक देश में सांप्रदायिक या जातीय तनाव के हालात पैदा न होने दें। मोदी ने कहा था– जातिवाद, सांप्रदायवाद, क्षेत्रवाद, सामाजिक या आर्थिक आधार पर लोगों में विभेद, ये सब ऐसे जहर हैं, जो हमारे आगे बढ़ने में बाधा डालते हैं। आइए, हम सब एक संकल्प लें कि अगले दस साल तक हम इस तरह की किसी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। हम आपस में लड़ने के बजाय गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा तथा तमाम सामाजिक बुराइयों से लड़ेंगे और एक ऐसा समाज बनाएंगे जो हर तरह के तनाव से मुक्त होगा। मैं अपील करता हूं कि यह प्रयोग एक बार अवश्य किया जाए। इतना ही नहीं, मोदी ने अपने उस भाषण में पड़ोसी देश पाकिस्तान की ओर भी दोस्ती का हाथ बढ़ाने का संकेत दिया था। उन्होंने गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, आतंकवाद आदि को भारत और पाकिस्तान की समान समस्याएं बताते हुए आह्वान किया था कि दोनों देश आपस में लड़ने के बजाय कंधे से कंधा मिला कर इन समस्याओं से लड़ेंगे तो दोनों देशों की तस्वीर बदल जाएगी। मोदी का यह भाषण उनकी स्थापित और बहुप्रचारित छवि के बिल्कुल विपरीत, सकारात्मकता और सदिच्छा से भरपूर माना गया था। देश–दुनिया में इस भाषण को व्यापक सराहना मिली थी, जो स्वाभाविक ही थी। उनके इस भाषण के बाद उम्मीद लगाई जा रही थी कि उनकी पार्टी तथा उसके उग्रपंथी सहमना संगठनों के लोग अपने और देश के सर्वोच्च नेता की ओर से हुए आह्वान का सम्मान करते हुए अपनी वाणी और व्यवहार मे संयम बरतेंगे।

..... विविध .....

ये हैं उत्तर प्रदेश के पांच सबसे खूबसूरत झरने, गर्मियों में यहां महसूस होगा तरोताजा

उत्तर प्रदेश अपने धार्मिक स्थलों, ऐतिहासिक इमारतों, विश्व धरोहरों और दुनिया के सातवें अजूबे के लिए प्रसिद्ध है। लेकिन यूपी केवल ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों के लिए नहीं, बल्कि अपनी छुपी हुई प्राकृतिक खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। इन झरनों की सैर न केवल आपको गर्मी से राहत देगी, बल्कि मन और शरीर को फिर से तरोताजा कर देगी। गर्मियों की छुट्टियों में अगर आप कहीं ठंडी, हरियाली से घिरी और प्राकृतिक शांति वाली जगह की तलाश में हैं तो उत्तर प्रदेश के झरनों से बेहतर विकल्प नहीं हो सकता है। यूपी के झरने न केवल प्रकृति की खूबसूरती को निहारने का मौका देते हैं, बल्कि आपको गर्मी से राहत और मानसिक सुकून भी देते हैं। यहां आपको उत्तर प्रदेश के पांच प्रसिद्ध और बेहद खूबसूरत जल प्रपातों के बारे में बता रहे हैं, जहां आप गर्मी के मौसम में घूमने जा सकते हैं और यहां नहाने के साथ मस्ती करके तरोताजा महसूस कर सकते हैं।

राजदारी और देवदारी जलप्रपात, चंदौली

चंदौली जिले के रॉबर्ट्सगंज के पास दो खूबसूरत जलप्रपात राजदारी और देवदारी झरने हैं। कैमूर पहाड़ियों के बीच स्थित ये दो जुड़वां झरने बेहद मनोरम हैं। यहां की हरियाली, ऊंचाई से गिरता पानी और शांत वातावरण, एक परफेक्ट पिकनिक स्पॉट बनाते हैं। जुलाई से अक्तूबर का महीना इन झरनों की सैर के लिए सबसे उपयुक्त समय होता है। राजदारी वॉटरफॉल काशी रेलवे स्टेशन से 65 किलोमीटर दूर है। यहां सभी के लिए निशुल्क प्रवेश सुविधा है और आप ट्रेन, बस, कार, टैक्सी के जरिए यहां पहुंच सकते हैं। इसके अलावा यहां जंगल सफारी का भी आनंद लिया जा सकता है। राजदारी के पास ही देवदारी वॉटरफॉल भी स्थित है। यात्री सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक देवदारी वॉटरफॉल घूम सकते है। यहां ठहरने के लिए रिसॉर्ट भी हैं, जहां यात्री ठहर सकते हैं। राजदारी की ही तरह देवदारी वॉटरफॉल में भी एंट्री पूरी तरह फ्री है।

लखनिया दरी वाटरफॉल

बनारस से लगभग 55 किमी दूर विन्ध्याचल पर्वतमाला में लखनिया दरी जल प्रपात स्थित है। इस झरने का अनुभव लेने के लिए आपको 50 रुपये एंट्री फीस देनी होगी। यह झरना एक सुरम्य जंगल के बीच स्थित है और मानसून में यह बेहद खूबसूरत रूप में बहता है। यहां पहुंचकर आप प्रकृति की आवाजें जैसे पक्षियों की चहचहाहट, पानी की गर्जना और पत्तों की सरसराहट को सुन सकते हैं। साथ ही फोटोग्राफी और ट्रेकिंग का लुत्फ भी उठा सकते हैं।

सोनभद्र झरना

बनारस मंडल में मौजूद सोनभद्र जिला बहुत सुंदर है। यहां प्राकृतिक, ऐतिहासिक और धार्मिक जगहों के खूबसूरत नजारों का लुत्फ उठा सकते हैं। सोनभद्र में रिहंद नदी पर 35–40 फीट ऊंचा सोनभद्र वॉटरफॉल है। मानसून में इसकी प्राकृतिक सुंदरता देखते ही रह जाएंगे।

तुगलपुर जलप्रपात

यूपी के बुंदेलखंड क्षेत्र में ललितपुर जिले में खूबसूरत तुगलपुर झरना है।

कम भीड़भाड़ वाला यह झरना ट्रैकिंग और कैंपिंग प्रेमियों के लिए एक शानदार डेस्टिनेशन है। गर्मियों में यहां की ठंडी फुहारें सुकून देती हैं। इस झरने के बारे में अब तक कम ही लोगों को पता है। इसलिए यहां की सुदंरता और शांति आपको पसंद आएगी।

चुटकियों में तैयार करें ये ड्रिक

धूप इतनी तेज हो रही है कि लोगों को डिहाइड्रेशन की परेशानी हो रही है। ये दिक्कत शरीर में पानी की कमी से होती है। ऐसे में इस मौसम में डॉक्टर सलाह देते हैं कि गर्मी के मौसम में जितना पानी पिया जाए, उतना ही बेहतर है। कई बार पानी पीने से भी राहत नहीं मिलती। इसी के चलते लोग अलग–अलग ड्रिंक्स बनाकर उसका सेवन करते हैं। यदि आप भी कुछ अलग रिफ्रेशिंग ड्रिंक पीना चाहते हैं तो अपने घर पर ही कैफे जैसा मिंट मोइतो तैयार करें। मिंट मोइतो तैयार करना काफी आसान है। इसे बनाने के लिए आपको ज्यादा सामान की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। तो चलिए आपको बताते हैं कि आप किस तरह से अपने लिए मिंट मोइतो तैयार कर सकते हैं।

मिंट मोइतो बनाने का सामान

मिंट मोइतो बनाने का सामान

15–20 पुदीने की पत्तियां

1 नींबू (कटे हुए टुकड़ों में)

2 चम्मच पिसी हुई चीनी

बर्फ के टुकड़े

1 कप सोडा या स्प्राइट

1/2 कप पानी

काला नमक

विधि

मिंट मोइतो बनाना काफी आसान है। इसके लिए आपको सबसे पहले तो एक गिलास या मिक्सिंग जार में नींबू के टुकड़े, पुदीना पत्तियां और पिसी चीनी डालनी है।

इसके बाद मडलर से हल्के से मसलें ताकि नींबू का रस और पुदीना की पत्तियां आपस में मिक्स हो जाएं। सभी चीजों को मिक्स करने के बाद अब इसमें भरपूर बर्फ डालें।

बर्फ डालने के बाद इसके ऊपर से सोडा डालें। सबसे आखिर में इसमें थोड़ा काला नमक छिड़कें।

अब चम्मच से इसे मिक्स करें। इसके बाद इसे सर्विंग गिलास में डालें और फिर इसे पुदीना की पत्ती और नींबू स्लाइस से गार्निश करें। इसे मेहमानों को सर्व करके आप उनका दिल जीत सकती हैं।

बढ़ती गर्मी में कहीं लग ना जाए लू, स्वास्थ्य विशेषज्ञ से जानिए कैसे बचें हीट वेव से

देशभर में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप देखा जा रहा है। कई स्थानों पर पारा 40 डिग्री को पार कर गया है जो सेहत के लिए कई प्रकार से खतरनाक हो सकता है। तेज धूप और बढ़ती गर्मी से लू लगने, ब्लड प्रेशर–किडनी की समस्या बढ़ने का खतरा रहता है जिसको लेकर सभी लोगों को निरंतर सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गर्मी के दुष्प्रभावों–हीटस्ट्रोक का सबसे ज्यादा जोखिम बच्चों को होता है, क्योंकि वे अपनी सेहत का ठीक तरीके से ख्याल नहीं रख पाते हैं। इसके अलावा बुजुर्गों, गर्भवती और कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को भी हीट स्ट्रोक का खतरा अधिक रहता है। इससे कैसे बचा जाए, क्या उपाय किए जाएं?

लू लगने के क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शरीर का तापमान बहुत बढ़ जाने के कारण आपको लू (हीट स्ट्रोक) की दिक्कत होती है। हमारा शरीर वैसे तो पसीना उत्पादित करके शरीर के तापमान को मैनेज करते रहता है पर बहुत गर्मी के कारण ये तंत्र फेल हो सकते हैं। आमतौर पर अत्यधिक गर्मी में या अत्यधिक शारीरिक गतिविधि के कारण लू लगने का जोखिम रहता है।

गर्मी से बचाव के लिए पिएं ये देसी पेय

आहार विशेषज्ञ नेहा पठानिया बताती हैं गर्मियों में आम पन्ना का सेवन करने से कई लाभ मिलते हैं। इसकी तासीर ठंडी होने के कारण लू से बचाव होता है। आम का पन्ना पीने में जितना स्वादिष्ट लगता है, उतना ही सेहत के लिए फायदेमंद भी होता है। इसमें विटामिन ए, बी. सी. फाइबर, आयरन, कैल्शियम और पोटैशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को कई लाभ पहुंचाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती और पाचन भी दुरुस्त रहता है। आम पन्ना में विटामिन–सी और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बूस्ट करने में मदद करते हैं। ये शरीर में इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस को बनाए रखने में मदद करता है, जिससे डिहाइड्रेशन नहीं होता है। आम पन्ना में फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र को ठीक रखता है। यही कारण है कि इसके सेवन से एसिडिटी, अपच और कब्ज जैसी समस्याएं दूर होती है।

आम पन्ना फायदेमंद, पर इन बातों का भी रखिए ध्यान

आम पन्ना में आयरन भी प्रचुर मात्रा में होता है, जो खून की कमी दूर करता है, साथ ही शरीर की ऊर्जा को बनाए रखने में भी मदद करता है। आम पन्ना में मौजूद विटामिन–ए मोतियाबिंद रतौंधी, आंखों का लाल होना और ड्राई आंखें जैसी कई बीमारियों से बचाव करता है। गर्मियों में आम पन्ना का सेवन लाभकारी होता है, लेकिन इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। ज्यादा सेवन करने से डायबिटीज, मोटापा, हाई ब्लड प्रेशर और डायरिया जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

वायरल वीडियो मामले में भाजपा जिलाध्यक्ष पार्टी से निष्कासित

लखनऊ, संवाददाता। वायरल वीडियो मामले में भारतीय जनता पार्टी के प्रांतीय नेतृत्व ने बड़ी कार्रवाई की है। गोंडा के जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। 25 मई को सोशल मीडिया पर भाजपा कार्यालय का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसमें वह एक महिला कार्यकर्ता के साथ नजर आए थे। वहीं, कार्रवाई के बाद निष्कासित किए गए भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप खुद कैमरे के सामने आए। कहा कि हमने पहले ही कहा था कि पार्टी का जो भी निर्णय होगा वह हमें मान्य होगा। पार्टी ने एकपक्षीय कार्रवाई की है। पार्टी को इसकी जांच करानी चाहिए। फुटेज जारी करने वालों पर कार्रवाई करना चाहिए। उन्होंने कुछ नेताओं का नाम लेते हुए सीसीटीवी फुटेज वायरल करने का आरोप लगाते हुए इन लोगों को भी निष्कासित करने की मांग की है। यह वीडियो 12 अप्रैल की रात का था।

इसके बाद भाजपा जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप ने सामने आकर कहा था कि वायरल वीडियो उनका है। वह पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता को चक्कर आने पर सहारा दे रहे थे। महिला ने भी सामने आकर खुलकर अपनी बात कही थी। उसने जिलाध्यक्ष को अपना भाई बताते हुए गलत तरीके से वीडियो वायरल करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले की जांच मनकापुर पुलिस कर रही है। इन सबके बीच पार्टी नेतृत्व ने भी जिलाध्यक्ष से जवाब मांगा था। इस पर 28 मई को जिलाध्यक्ष ने अपना जवाब दिया था। बीते सात मई को भाजपा जिला प्रभारी विजय बहादुर पाठक दौरे पर आए थे।

उस वक्त पार्टी पदाधिकारियों ने खुलकर नाराजगी जाहिर की थी। यही नहीं, कुछ लोगों ने तो बैठक का भी बहिष्कार किया था। इसके बाद जिला प्रभारी ने पूरी रिपोर्ट प्रांतीय नेतृत्व को सौंपी थी। बुधवार की सुबह भाजपा के प्रदेश महामंत्री व मुख्यालय प्रभारी गोविंद नारायण शुक्ला ने जिला ध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को पार्टी से निष्काषित कर दिया है।

आयुष्मान योजना के तहत पहली बार सरकारी अस्पताल में हुआ महिला का सफल कूल्हा प्रत्यारोपण

लखनऊ, संवाददाता। ठाकुरगंज टीबी संयुक्त चिकित्सालय में आयुष्मान योजना के तहत पहली बार कूल्हा प्रत्यारोपण हुआ है। महिला हादसे में जख्मी हो गई थी। सीएमएस ने ऑपरेशन करने वाली पूरी टीम को बधाई दी। हरदोई बघौली निवासी सीमा (55) करीब एक साल पहले रिक्शे से जा रही थीं। रास्ते में खराब सड़क पर रिक्शा अनियंत्रित होकर पलटने से महिला की कूल्हे की हड्डी टूट गई थी। उन्होंने हरदोई और लखनऊ के कई अस्पतालों में इलाज कराया, मगर फायदा नहीं हुआ।

इसके बाद परिजनों ने ठाकुरगंज संयुक्त अस्पताल की ओपीडी में ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. एके पांडेय को दिखाया। करीब एक माह तक दवा व परामर्श के बाद सीमा प्रत्यारोपण के लिए राजी हुईं। दो जून को डॉ. एके पांडेय, डॉ. राजेश प्रजापति, डॉ. शाहिद अंसारी ने अपनी टीम के साथ सर्जरी कर कूल्हा प्रत्यारोपित किया। महिला मरीज अभी अस्पताल में भर्ती हैं। अब वह खुद से चलने–फिरने लगी हैं। सीएमएस डॉ. एसपी सिंह ने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत महिला का निशुल्क कूल्हा प्रत्यारोपण किया गया। निजी अस्पताल में करीब एक लाख रुपये का खर्च आता।

मेधावी छात्रों को सम्मानित करेंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार 12 जून को राजधानी लखनऊ स्थित लोक भवन सभागार में विभिन्न बोर्डों के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 के टॉप विद्यार्थियों को सम्मानित करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति और प्रतिभाओं को पहचान दिलाने की इस अभिनव पहल को योगी सरकार की छात्र–केंद्रित नीतियों का प्रत्यक्ष प्रमाण माना जा रहा है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र के अनुसार, राज्य स्तरीय कार्यक्रम में कुल 166 मेधावी विद्यार्थियों को मुख्यमंत्री द्वारा 1 लाख रुपये, टैबलेट, प्रशस्ति–पत्र और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इसमें यूपी बोर्ड, संस्कृत शिक्षा परिषद, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के टॉप 10–10 छात्र–छात्राएं शामिल हैं। इस अवसर पर प्रत्येक विद्यार्थी के साथ एक अभिभावक को भी आमंत्रित किया गया है। योगी सरकार की यह पहल न सिर्फ छात्रों की मेहनत को मान देती है, बल्कि अन्य छात्रों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती है।

जनपदों में भी होगा सम्मान

इसी दिन दोपहर बाद सभी 75 जनपदों में भी जनपद स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे, जहां 1508 विद्यार्थियों (758 हाईस्कूल व 750 इंटरमीडिएट) को 21 हजार रुपये, टैबलेट, प्रशस्ति–पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। ये सम्मान प्रभारी मंत्री, जनप्रतिनिधियों या जिलाधिकारियों द्वारा प्रदान किए जाएंगे।

ये कार्यक्रम भी होंगे संपन्न

केंद्र व राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उच्च अंक प्राप्त मेधावियों के सम्मान समारोह एवं टैबलेट वितरण के साथ ही 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता 2024–25 में प्रदेश के स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री विद्यालयी खेल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद लखनऊ एवं माध्यमिक संस्कृत शिक्षा निदेशालय के नवीन भवन का शिलान्यास भी करेंगे। वहीं, कार्यक्रम में श्री काशीराज राजकीय संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, चकिया, चन्दौरी एवं श्री काशीराज राजकीय संस्कृत महाविद्यालय ज्ञानपिर, भदोही के नवीन भवन (100 बेडेड छात्रावास सहित) का शिलान्यास, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, जगत नारायण रोड एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, मलिहाबाद, लखनऊ के नवीन भवन का शिलान्यास भी होगा। साथ ही, राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कौशल विकास के लिए ड्रीम लैब स्थापना के लिए एमओयू किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

जयपुरिया मैनेजमेंट कालेज में बिल्डिंग की सेकंड फ्लोर पर लगी आग

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के गोमती नगर स्थित जयपुरिया मैनेजमेंट कॉलेज में बिल्डिंग की सेकंड फ्लोर पर आग लगने से हड़कंप मच गया। मौके पर दमकल की पांच गाड़ियां पहुंची और करीब 40 मिनट में आग पर काबू पा लिया। आग किन कारणों से लगी अभी तक पता नहीं चल सका है। बताया जा रहा है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट है। एफएसओ गोमतीनगर सुशील कुमार ने बताया कि जयपुरिया मैनेजमेंट स्कूल में आग लगने की सूचना मिली। आग बिल्डिंग की सेकेंड फ्लोर पर लगी थी जिस पर पर दमकल की गाड़ियों ने 40 मिनट में काबू पा लिया।

अभद्रता के मामले में चौकी इंचार्ज व सिपाही लाइन हाजिर

लखनऊ, संवाददाता। मड़ियांव में रविवार देर रात मॉडल चाय की संचालिका सिमरन से हाथापाई के मामले में राम–राम बैंक चौकी इंचार्ज आलोक कुमार चौधरी और कांस्टेबल अभिषेक कुमार को मंगलवार लाइन हाजिर कर दिया गया है। मामले में सिमरन ने महिला सिपाही पर अभद्रता का आरोप लगाया था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा के मुताबिक रविवार रात 12 बजे सिमरन का टी स्टाल खुला हुआ था। पुलिस गश्त के दौरान चौकी इंचार्ज आलोक व सिपाही अभिषेक ने सिमरन को स्टाल बंद करने के लिए कहा कहा था, लेकिन वह नहीं मानी थीं। रात एक बजे जब दोबारा चौकी इंचार्ज ने स्टाल बंद करने को कहा तो उनकी संचालिका से कहासुनी हो गई थी। बात बढ़ने पर महिला सिपाही को बुलाया गया था। महिला सिपाही की मॉडल चाय की संचालिका सिमरन से हाथापाई हो गई थी। ऐसे में चौकी इंचार्ज और कांस्टेबल को लाइन हाजिर किया गया है।

आनंदी वाटर पार्क के एमडी को बंधक बनाकर पीटने के मामले में चार पर केस

लखनऊ, संवाददाता। आनंदी वाटर पार्क के एमडी ठाकुरगंज के मनोहरनगर निवासी राकेश कुमार अग्रवाल को बंधक बनाकर पीटने के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। राकेश के मुताबिक गत 27 मई को वह घर में थे, तभी अपने गनर व दो अज्ञात लोगों के साथ पहुंचे विवेक भदौरिया ने उन्हें बंधक बना कर पीटा था। आरोपी पांच साल पहले राकेश को उधार दिए गए 27 लाख रुपये उनसे वापस मांग रहे थे, जबकि उन्होंने आरोपियों से रकम उधार नहीं ली थी। इंस्पेक्टर श्रीकांत राय के मुताबिक, आरोपियों पर बंधक बनाने, फिरौती मांगने और पीटने की धारा में केस दर्ज कर मामले की तफ्तीश की जा रही है।

राजधानी में बिजली संकट, केबल और ट्रांसफार्मर के जलने से हो रहा है रतजगा

लखनऊ, संवाददाता। भीषण गर्मी में आम उपभोक्ता वाले इलाकों में एबीसी (एरियल बंच्ड केबल) रात में सोने नहीं दे रहा। रात नौ बजते ही एबीसी के जलने का जो दौर शुरू होता है, वह तीन बजे तक चलता है। सोमवार रात भी कई इलाकों में एबीसी जलने से सैकड़ों परिवार रतजगा के लिए मजबूर हुए। बीते एक सप्ताह से गर्मी ने जोर पकड़ा है। इसके साथ ही बिजली की खपत भी बढ़ गई है। एक सप्ताह से लगातार फैजुल्लागंज, अहिबरनपुर, उतरेठिया, कमता, गेहरू उपकेंद्र इलाकों में एबीसी जलने से बिजली व्यवस्था बार–बार बेपटरी हो रही है। इलाके के इंजीनियरों ने दावा किया था कि ओवरलोडेड एबीसी सर्किट को कई भागों में बांटा गया है। इस दावे के बाद भी लगातार केबल जलने की घटनाएं थम नहीं रहीं। अब तो ओवरलोडेड केबल का लोड घटाने के लिए पिछले कई महीने से चल रही तैयारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। हाल ये है कि उपकेंद्र के कर्मी रात भर जलने वाले एबीसी को बदलते–बदलते पस्त हो जा रहे हैं। मंगलवार को विकासनगर एवं जीपीआरए उपकेंद्र की 33 केवी लाइन में फाल्ट आने से इन इलाकों में भी दो से ढाई घंटे तक बिजली का संकट रहा। राजधानी के गोमतीनगर, गोमतीनगर विस्तार, आलमबाग, राजाजीपुरम, ठाकुरगंज आदि खंडीय इलाकों में दोपहर और रात को अनबैलेंस ट्रांसफार्मर भी बिजली आपूर्ति में व्यवधान की वजह बन रहे हैं। ऐसे ट्रांसफार्मरों से किसी उपभोक्ता को कम तो किसी को ज्यादा करंट मिल रहा है। ऐसे में घर के विद्युत उपकरणों के जलने और खराब होने का खतरा बना रहता है।

14 घंटे बाद पीएम आवास की बिजली बहाल, थाने में तहरीर

बिजनौर का शारदानगर उपकेंद्र में आया फॉल्ट 14 घंटे बाद सही हो पाया। इसके बाद पीएम आवास योजना के 2500 परिवारों को बिजली मिली।

एडीजी जोन लखनऊ एसपी शिरडकर को मिला प्रमोशन

लखनऊ, संवाददाता। आईपीएस एडीजी जोन लखनऊ एसबी शिरडकर को पदोन्नत कर पुलिस महानिदेशक (डीजी) बनाया गया है। वह 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। राज्यपाल ने उनके प्रमोशन को मंजूरी दे दी।

22 पीपीएस अफसर जल्द आईपीएस काडर में होंगे प्रोन्नत

उत्तर प्रदेश पुलिस के 22 पीपीएस अधिकारी जल्द आईपीएस काडर में प्रोन्नत हो जाएंगे। गृह विभाग ने इसका प्रस्ताव तैयार करके संघ लोक सेवा आयोग भेज दिया है। इसका परीक्षण करने के बाद आयोग द्वारा विभागीय प्रोन्नति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें पदोन्नति के लिए उपयुक्त पाए गए अधिकारियों के प्रस्ताव को हरी झंडी दी जाएगी। सूत्रों के मुताबिक आयोग को भेजे गए प्रस्ताव में 1996, 1997 और 1998 बैच के अधिकारियों के नाम शामिल हैं, जिनकी सेवानिवृत्ति में अभी चार वर्ष से अधिक का समय बचा हुआ है। वहीं जिन अधिकारियों के खिलाफ जांचें लंबित हैं।

संक्षिप्त खबरें

रोजगार की पिच पर छोटी हो रही आईटीआई पास छात्रों की पारी

लखनऊ, संवाददाता। रोजगार की पिच पर मुकाबला तेज है, पर आईटीआई पास विद्यार्थियों की पारी लगातार छोटी होती जा रही है। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) अलीगंज में विद्यार्थियों को अब भी पुराने ढांचे और तकनीक पर आधारित प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके चलते तकनीकी संस्थानों से पास होने के बावजूद युवाओं की निजी क्षेत्र में रोजगार में भागीदारी घट रही है। मारुति सुजुकी, टाटा मोटर्स, हीरो मोटर्स जैसी अग्रणी कंपनियां अब उन युवाओं को प्राथमिकता दे रही हैं, जिन्होंने आधुनिक तकनीकों के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया हो। इस बदलाव के चलते आईटीआई के पारंपरिक पाठ्यक्रम से प्रशिक्षित छात्रों की मांग घट रही है। कौशल विकास मिशन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से मई 2025 तक अलीगंज राजकीय आईटीआई में कुल 17 रोजगार मेले आयोजित किए गए, जिसमें 3227 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। इनमें से इनमें से 2215 युवाओं को रोजगार मिला, पर इनमें केवल 403 ही आईटीआई पास थे। शेष 1812 चयनित अभ्यर्थी अन्य शैक्षिक पृष्ठभूमि जैसे इंटरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, बीटेक, एमबीए आदि से थे।

बोगियां ठसाठस भरीं... लखनऊ से गुजरने वाली सभी ट्रेनों में यात्रियों का हाल बेहाल

लखनऊ, संवाददाता। गर्मी में स्लीपर से लेकर एसी बोगियों तक यात्रियों से भरी हुई हैं। आलम यह है कि पैसेंजर पसीने से तरबतर होकर सफर करने को मजबूर हैं। भीषण गर्मी के चलते ट्रेन में मुसाफिरों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। गोविंद प्रताप सिंह ने सोशल मीडिया पर शिकायत दर्ज कराई है कि बेगमपुरा एक्सप्रेस (12237) की स्लीपर बोगी एस–10 में वह परिजन संग यात्रा कर रहे थे। स्लीपर कोच में अनधिकृत रूप से यात्रियों की भीड़ थी, जिससे घुटन पैदा हो रही थी। उनके साथ 13 साल का बच्चा भी था, जिसकी हालत खराब हो गई। इतना ही नहीं उन्होंने बताया कि जिस वर्थ पर वे बैठे थे, उसके सामने की सीट पर एक व्यक्ति का शव रखा था। ट्रेन लखनऊ से गुजर गई, यात्रियों को शव के बीच मजबूरन सफर करना पड़ा। हालांकि, अफसरों का कहना है कि ट्रेन में शव की सूचना यात्रियों ने जीआरपी को नहीं दी। इसके अतिरिक्त लखनऊ मेल के स्लीपर कोच में यात्रा कर रहे निखिल गुप्ता ने डीआरएम से शिकायत की कि बोगी में जनरल यात्रियों ने कब्जा कर रखा था। दून एक्सप्रेस की थर्ड एसी बोगी बी–1 के यात्री शिवांश पांडेय ने डीआरएम को जनरल यात्रियों से भरी बोगी का वीडियो भेजकर सवाल किया कि रिजर्वेशन करवाकर सफर करने वालों की सुविधाएं हाशिए पर क्यों?

लेटलतीफी से बढ़ीं मुश्किलें – भीषण गर्मी में ट्रेनों की लेटलतीफी से मुश्किलें और भी बढ़ गई। राजगीर से उधमपुर तक जाने वाली 03221 स्पेशल ट्रेन को चारबाग में सोमवार रात 12:05 बजे पहुंचना था, लेकिन यह ट्रेन मंगलबार दोपहर पौने बारह बजे पहुंची। 12 घंटे की देरी से पहुंचने पर यात्रियों का हाल–बेहाल हो गया। यात्री राजीव कुमार झा ने बताया कि अयोध्या स्टेशन पर यात्रियों को मदद मिली। डिहाइड्रेशन से निपटने के लिए ओआरएस घोल दिया गया। उत्तर रेलवे के सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी का कहना है कि यात्री सुविधाओं पर काम हो रहे हैं। ट्रेनों की एसी कूलिंग बनाए रखने के लिए नियमित मेंटेनेंस हो रही है।

आरटीई में चयनित बच्चों को प्रवेश नहीं दे रहे स्कूल, कार्रवाई की तैयारी शुरू

लखनऊ, संवाददाता। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत चयनित बच्चों को प्रवेश देने से इनकार करने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की तैयारी शुरू हो गई है। बाल गाइड स्कूल, विश्वनाथ एकेडमी और एमआर जयपुरिया स्कूल ने पहले बच्चों को दाखिला देने का भरोसा दिलाया था, लेकिन मंगलवार को तय समय पर किसी भी बच्चे को प्रवेश नहीं दिया गया। बेसिक शिक्षा अधिकारी राम प्रवेश ने बताया कि इन स्कूलों की एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) रद्द कराने के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशक (जेडी माध्यमिक) को पत्र भेजा जाएगा। इसके साथ ही मान्यता समाप्त करने की सिफारिश भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि इन स्कूलों को कई बार समय और अवसर दिया गया, लेकिन हर बार नियमों की अनदेखी की गई। विभाग ने उन स्कूलों की सूची तैयार कर ली है, जिन्होंने नियमों का उल्लंघन किया है। ऐसे स्कूलों के खिलाफ चरणबद्ध तरीके से कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। आरटीई में 25: सीटें गरीब बच्चों के लिए आरक्षितरू आरटीई अधिनियम के अनुसार, किसी भी निजी स्कूल की कुल छात्र संख्या के 25 प्रतिशत सीटें गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित होती हैं। इस बार बीएसए कार्यालय की ओर से प्रत्येक स्कूल में केवल 10 बच्चों को दाखिला देने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बावजूद स्कूल प्रबंधनों ने बच्चों को स्कूल में प्रवेश नहीं दिया।

सहालग की धूम से ऑटो मोबाइल सेक्टर ने पकड़ी रफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। मई में सहालग की धूम से इस बार ऑटोमोबाइल सेक्टर ने खूब रफ्तार भरी। लखनऊ समेत प्रदेश भर में सबसे ज्यादा दो पहिया वाहन बिके हैं। हालांकि, कारों की बिक्री में दो से तीन प्रतिशत की कमी आई है। गर्मी की सहालग पिछले साल के मुकाबले इस बार कारोबार में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा 26 फीसदी बिक्री दोपहिया वाहनों की हुई है। दोपहिया वाहनों के बड़े डीलर मोहित शर्मा बताते हैं कि अप्रैल में बिक्री स्लो थी, लेकिन मई में अच्छी बिक्री हुई है। लखनऊ में ही 10 प्रतिशत की रफ्तार से बिक्री बढ़ी है, जो कि पिछले साल के मुकाबले अच्छी साबित हुई। उधर, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों में भी प्रदेश भर में सबसे ज्यादा दोपहिया वाहनों की बिक्री में वृद्धि देखी गई है। प्रदेश भर में पिछले साल मई की सहालग में जहां 2.52 लाख दोपहिया वाहन बिके, वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 3.17 लाख पहुंच गया। इसके बाद श्री व्हीलर वाहनों का नंबर है। उनका आंकड़ा 15 प्रतिशत बढ़कर 26247 से 30067 वाहनों तक पहुंच गया। हालांकि, कामर्शियल वाहनों की बिक्री चार प्रतिशत तक घटी है। पिछले साल जहां 7,231 कामर्शियल वाहन बिके वहीं इस बार 6,944 वाहन ही बिके। हालांकि, ट्रैक्टर में नौ प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। पिछले साल जहां 11,751 ट्रैक्टर बिके वहीं इस साल 12,790 ट्रैक्टर बिके। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रतीक जैन बताते हैं कि दोपहिया वाहनों की खूब मांग रही। हालांकि, कारों की बिक्री में 2–3 फीसदी की मामूली कमी दर्ज की गई है।

लखनऊ में बाइक से ज्यादा बिकीं कारें

प्रदेश भर के आंकड़ों में जहां मई में बाइकों की बिक्री ज्यादा हुई, वहीं सहालग में लखनऊ के लोगों ने कारों की खरीदारी पसंद की। पिछले साल मई में जहां लखनऊ में 3868 कारें बिकीं वहीं इस साल सहालग में यह आंकडा बढ़कर हो गया, जो कि करीब 16 फीसदी अधिक है। वहीं, पिछले साल मई में 8204 बाइकें बिकीं, जबकि इस साल मामूली बढ़त के साथ यह आंकड़ा 8,267 हो गया।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने वाले नवाचार करें युवा – आनंदीबेन

लखनऊ, संवाददाता। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि आज श्रीअन्न को पूरा देश अपना रहा है। किसान श्रीअन्न का उत्पादन कर रहे हैं, इसलिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे किसानों को सही मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता दें। विद्यार्थी ऐसे नवाचार विकसित करें जो कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करें। उन्होंने फसलों के सर्वे में भी नवाचार की आवश्यकता पर जोर दिया। वे मंगलवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में आयोजित नवोन्मेष 2025 आइडिया चौलेंज कार्यक्रम में विजेताओं को सम्मानित करने के बाद संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि यह मान लेना कि केवल शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थी ही प्रतिभाशाली होते हैं, गलत धारणा है। उन्हें सही अवसर मिलने पर वे समाज की बड़ी समस्याओं का समाधान दे सकते हैं। उन्होंने अपने जिला भ्रमण का उल्लेख करते हुए कहा कि कई जिलों में लिंगानुपात (जेंडर रेशियो) की बड़ी समस्या देखी है, लड़कियों की संख्या चिंताजनक रूप से घट रही है। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे इस सामाजिक समस्या पर गंभीरता से चिंतन करें और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से इसके समाधान के नवाचार विकसित करें। वह डाटा एकत्र करें कि कितनी महिलाओं ने गर्भधारण किया। कितने बच्चों का जन्म हुआ, ताकि लिंगानुपात में हो रहे अंतर को समझा जा सके। इस पर सटीक रणनीति तैयार की जा सके। उन्होंने आयुष्मान भारत योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना तभी प्रभावी होगी, जब इसका लाभ सही लाभार्थी तक पहुंचेगा। विद्यार्थियों को ऐसे मॉडल विकसित करने चाहिए ताकि योजना का गलत प्रयोग रोका जा सके। जनता को उसका वास्तविक लाभ मिल सके। इस अवसर पर राज्यपाल ने इंफोसिस स्प्रिंग बोर्ड मेकर्स लैब, एआईसीटीई–एकेटीयू की आइडिया लैब तथा 75–75 की क्षमता के दो छात्रावासों का उद्घाटन भी किया। यह प्रदेश की पहली मेकर्स लैब है। उन्होंने छात्रावासों का भ्रमण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावासों के किचन, डाइनिंग एरिया, कमरे, वेंटिलेशन व्यवस्था तथा साफ–सफाई की स्थिति की जानकारी ली। इस अवसर पर प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल, कुलपति प्रो. जेपी पांडेय, प्राविधिक शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव नरेंद्र भूषण, आदि उपस्थित थे।

लॉटरी से मिला प्लाट को खिले आवेदकों के चेहरे

लखनऊ, संवाददाता। एलडीए की अनंतनगर (मोहान रोड) आवासीय योजना के भूखंडों की लॉटरी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुरू की गई। लॉटरी में जिन आवेदकों को भूखंड मिल गए, उनके चेहरे खिल उठे। लॉटरी के पहले दिन सामान्य श्रेणी के आवेदकों के लिए 112.5 वर्गमीटर के 43 भूखंडों की लॉटरी हुई। पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आवेदकों के हाथों से ही लॉटरी ड्रॉ की पर्ची निकलवाई गई। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि बुधवार को 112.5 वर्गमीटर के 78 भूखंडों की लॉटरी आरक्षित वर्ग के आवेदकों के लिए होगी। गोरखपुर निवासी महिला विनोद के नाम की पर्ची खुली तो वह खुशी से भावुक हो गईं।

उन्होंने यूट्यूब पर हो रहे प्रसारण की सराहना भी की। सभागार में उपस्थित बालकृष्ण सिंह ने बताया कि उन्होंने पहली बार प्राधिकरण में भूखंड के लिए आवेदन किया था और लॉटरी में उनका नाम आ गया। अपर सचिव ने बताया कि लॉटरी का आयोजन चार दिन तक चलेगा। 12 जून को 162 वर्गमीटर व 13 जून को 200, 288 एवं 450 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखंडों की लॉटरी की जाएगी। एलडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि अनंतनगर योजना के अंतर्गत 785 एकड़ के विशाल क्षेत्रफल में टाउनशिप विकसित की जा रही है। इसमें डेढ़ लाख लोगों के आशियाने का सपना साकार होगा। योजना का विकास अंतरराष्ट्रीय मानकों के अंतर्गत ग्रिड पैटर्न पर किया जा रहा है।

अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि अनंतनगर योजना में प्रथम चरण में 334 भूखंडों के लिए चार अप्रैल को ऑनलाइन पंजीकरण खोला गया था। इसमें 13,031 लोगों ने पंजीकरण धनराशि जमा कराकर रजिस्ट्रेशन कराया है।

प्रदेश में हीट वेव का कहर जारी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में बीते कुछ दिनों से हो रही प्रचंड गर्मी और लू चलने से जनजीवन बुरी तरह से अस्त–व्यस्त हो गया है। तपिश के साथ पूर्वा हवाओं के असर से हो रही उमस और चिपचिपी गर्मी से लोग बेहाल हैं। मौसम विभाग का कहना है कि पश्चिमी यूपी में अगले दो–तीन दिन इस भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से राहत की उम्मीद नहीं है। हालांकि पूर्वांचल और तराई में गरज–चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। वहीं मौसम विभाग की ओर से बृहस्पतिवार को पश्चिमी यूपी और बुंदेलखंड के कुल 9 जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। पूर्वानुमान है कि यूपी के पश्चिमी–तराई के नजीबाबाद, मुजफ्फरनगर जैसे कुछ जिलों में दिन में लू चलने के साथ उष्ण रात्रि की संभावना है। यानी यहां रात सामान्य से ज्यादा गर्म रहेगी साथ ही प्रदेश के पूर्वी इलाकों में मौसम में बदलाव की आहट है।

हर्षोल्लास संपन्न हुआ उत्कृष्ट एकेडमी का सम्मान समारोह कार्यक्रम

अयोध्या। बुधवार को उत्कृष्ट एकेडमी अयोध्या का सम्मान समारोह कार्यक्रम हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि अयोध्या जनपद के सी.ओ. सिटी आशुतोष तिवारी ने किया जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त शिक्षा निदेशक देवी पाटन मंडल डॉक्टर ओमप्रकाश गुप्ता, सह जिला विद्यालय निरीक्षक अवनीश कुमार पाण्डेय और अवध विश्वविद्यालय के पूर्व चीफ प्रॉक्टर डॉ अजय प्रताप सिंह उपस्थित रहे।अतिथियों के वक्तव्य विचार व संदेश से विद्यार्थियों ने प्रतियोगी परीक्षा बाबत विभिन्न सीख ली और कोचिंग के डायरेक्टर आशीष सिंह और राजेश सिंह राजपूत ने कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु संस्थान के शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया।उक्त कार्यक्रम में अन्य अतिथियों तथा शिक्षकों की उपस्थिति कार्यक्रम को रोचक व जीवंत बनाई।इस मौके पर कोचिंग के डायरेक्टर के द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस परीक्षा ,एसएससी परीक्षा और बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा में अंतिम रूप से चयनित समस्त अभ्यर्थियों को माल्यार्पण कर और चयनित अभ्यर्थियों के माता–पिता को स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षक ओम, विपिन, कुलदीप ,अनिल सिंह शेरा,अजय चौधरी ,नीरज सचान, सौरभ राजपूत,नीरज तिवारी,पंकज विश्वकर्मा शाहिद भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पैका लिमिटेड द्वारा हृदय स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ भव्य आयोजन

अयोध्या। गुरुवार को पैका लिमिटेड, दर्शननगर मे पैका लिमिटेड मे कार्य कर रहे सदस्यों एवं उनके परिजनों के लिए एक विशाल हृदय स्वास्थ्य जांच शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ मुख्य अतीत के रूप में आए एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने फीता काटकर किया।इस शिविर का आयोजन सोना शाह हार्ट फाउंडेशन चित्रकूट मध्य प्रदेश द्वारा किया गया था।शिविर का संचालन अमेरिका के सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश साह एवं फाउंडेशन की संस्थापक सोना शाह के निर्देशन में संपन्न हुआ।शिविर में निःशुल्क हृदय रोग जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श, तथा प्राथमिक उपचार सेवाएं प्रदान की गईं।शिविर का लाभ बड़ी संख्या में पैका सदस्यों एवं उनके परिजनों ने उठाया। यह आयोजन हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हुआ।इस अवसर पर पैका लिमिटेड के सेक्रेट्री एवं लीगल हेड सचिन श्रीवास्तव, लोकल लाइजन लीड अश्वनी मिश्रा, लोकल लायजन हेड शैलेन्द्र प्रताप सिंह तथा मानव समाज कल्याण अधिकारी पवन यादव सहित अन्य पैका टीम सदस्य भी उपस्थित रहे, जिन्होंने शिविर को सफल बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाई।

भारत ने वैश्विक स्तर पर मोदी जी के नेतृत्व में एक नई पहचान स्थापित की है - गिरीश चंद्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला जौनपुर ने 11 साल बेमिसाल की प्रोफेशनल मीट का आयोजन होटल रिवर व्यू मे किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ विधिवत रूप से हुई जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मे प्रदेश सरकार मे युवा एव खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव एव विशिष्ट अतिथि के रूप मे पूर्व प्रदेश महासचिव विद्यासागर सोनकर एव पूर्व जिलाध्यक्ष प्रतापगढ़ ओमप्रकाश त्रिपाठी रहे। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों के कार्यकाल को ऐतिहासिक और बेमिसाल बताते हुए कहा कि इस अवधि में हुए विकास कार्यों को जन–जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं का कर्तव्य है प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर मे विश्व की सबसे ऊंची पर्वतीय रेल पुल का निर्माण मोदी सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिसने पूरी दुनिया को चकित कर दिया है असंभव को संभव बनाना ही नरेंद्र मोदी का पर्याय बन चुका है। उन्होंने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अब कोई भी देश भारत की ओर आंख उठाकर नहीं देख सकता। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि जो आज संविधान की बात करते हैं, वे यह भूल जाते हैं कि उनके नेताओं ने अतीत में राष्ट्रपति शासन का दुरुपयोग किया और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को लोकसभा से खारिज करवाने का प्रयास किया। विशिष्ट अतिथि के रूप मे बोलते हुए विद्यासागर सोनकर ने कहा कि भारत मोदी जी के नेतृत्व में एक विकसित देश बनने की ओर अग्रसर है। मोदी के दृढ़ संकल्प से देश की एकता, अखण्डता व सार्वभौमिकता तार–तार होने से बची है। उनका सुशासन लोगों को पुरूषार्थ के साथ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष प्रदान करेंगा कोरोना काल में जब बहुत से लोगों के रोजी–रोजगार बंद हो गये थे तो ऐसे 80 करोड़ लोगों को मोदी जी मुफ्त में अनाज दिये आयुष्मान कार्ड से प्रत्येक गरीब को तथा 70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों को 05 लाख रूपये तक का मुफ्त इलाज मिलता है।

विशिष्ट अतिथि ओमप्रकाश त्रिपाठी ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल को स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाने वाला बताया 11 साल पहले देश तुष्टिकरण की राजनीति में डूबा था, लेकिन पीएम मोदी ने इसे बदलकर जवाब देही और विकास की राजनीति की शुरुआत की उन्होंने अनुच्छेद 370 की समाप्ति, तीन तलाक पर रोक, नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए, नोटबंदी और महिला आरक्षण जैसे फैसलों को सरकार की बड़ी उपलब्धियों के रूप में गिनाया उन्होंने दावा किया कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है और विदेशी मुद्रा भंडार में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि पीएम आवास योजना के तहत 4 करोड़ पक्के मकान, उज्ज्वला योजना के तहत 10 करोड़ गैस कनेक्शन, और आयुष्मान भारत योजना के तहत 50 करोड़ लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएँ दी गई हैं मोदी सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में जनधन योजना के तहत करोड़ों लोगों को बैंकिंग सुविधा मिली, जिससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने 31 मार्च, 2026 तक भारत से नक्सलवाद खच्त्म करने का संकल्प लिया है। 2025 के बजट में 12 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स छूट दी गई, जिससे मध्यम वर्ग को राहत मिली। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई, जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिला। इसके अतिरिक्त देश की सांस्कृतिक विरासतों को बढ़ावा देने के लिए उनके जीर्णोद्धार एवं पुनरुद्धार पर भी बल दिया जा रहा है। बदलापुर के विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री के 11 वर्षों के कार्यकाल में भारत ने राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सुधारों की दिशा में बड़े कदम उठाए हैं पाकिस्तान परस्त आतंकियों और उनके आकाओं को एक नहीं, बल्कि तीन–तीन बार घर में घुसकर मुंहतोड़ जवाब दिया है। इसने कहा कि तीन तलाक कानून ने मुस्लिम महिलाओं को कानूनी सुरक्षा प्रदान की। संगोष्ठी के उपरांत हाल मे लगे पदर्शनी का मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष समेत पार्टी के कार्यकर्ताओं ने अवलोकन किया। तदुपरान्त प्रेस वार्ता आयोजित की गई जिसको सम्बोधन करते हुये मुख्य अतिथि गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष सफलतापूर्वक भारत की संकल्पना को साकार किया है। मोदी के परिवर्तनकारी नेतृत्व में एक भारत श्रेष्ठ भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की आकांक्षा को प्रभावी और सुनियोजित तरीके से पूरा किया है। हमें राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता पर गर्व महसूस होता है। भारतीय के जीवन को बदलते हुए देखते हैं तो हमें खुशी होती है। हमारी सरकार हमारे राष्ट्र को सशक्त बना रही है और समृद्धि की नई ऊंचाइयों की ओर ले जा रही है। आज मोदी के नेतृत्व में देश में एक नई राजनीति की शुरुआत हुई है जिसने आम नागरिकों की भावना को समेट लिया है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र की मोदी सरकार आज गरीब पिछड़े व अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्तियों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प हैं प्रधानमंत्री जी ने दूर–दराज के लोगों को जहां पीने के पानी के लिए काफी दिक्कतें से पानी की किल्लत से जुझ रहे थे, आज उन्हें लोगों को पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए "हर घर नल योजना" के तहत केन्द्र सरकार तेजी के साथ कार्य कर रही है, उन्होंने महिलाओं को खाना बनाने में हो रही दिक्कत को दूर करने के लिए निःशुल्क गैस कनेक्शन दिया जा रहा है, वहीं प्रदेश सरकार द्वारा गरीब पात्रों को निःशुल्क खाद्यान्न महिनों में दो बार देकर राहत पहुंचाने का काम किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुशील मिश्र ने की। उक्त अवसर पर जिले के प्रबुद्ध वर्ग उपस्थित रहा।

एक जिला, एक मेडिकल कालेज' की परिकल्पना ने प्रदेश के लगभग सभी जिलों में मेडिकल कालेज स्थापित किए – धीरेंद्र सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार की 11वीं वर्षगांठ की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए सवाजपुर मंडल पर विकसित भारत मंडल संकल्प सभा का आयोजन किया। मुख्य अतिथि भरखनी ब्लाक प्रमुख धीरेंद्र प्रताप सिंह सेनानी ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में देश की प्रगति का आलम यह है कि अटल बिहारी वाजपेयी ने छह एम्स स्थापित किए और मोदी सरकार ने 22 नए एम्स बनाए, जिनमें उत्तर प्रदेश में दो एम्स शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 'एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज' की परिकल्पना ने प्रदेश के लगभग सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए, जो रोजगार और स्वास्थ्य सुविधाएं दोनों प्रदान कर रहे हैं। प्रीतेश दीक्षित ने कार्यकर्ताओं को 'बूथ' स्तर पर संवाद का मंत्र देते हुए कहा कि मोदी सरकार की 11 साल उपलब्धियां जन–जन तक पहुंचाना 'हम सब की जिम्मेदारी है।' उन्होंने कार्यकर्ताओं से हर वर्ग को इस अभियान से जोड़ने और लाभार्थियों के अनुभव साझा करने की अपील की। कहा कि अमृत काल में विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए मोदी सरकार की 11 वर्षों की उपलब्धियां गर्व का विषय हैं तथा उन्हें प्रदेश, जनपद, मंडल और शक्ति केंद्र स्तर पर जनता तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी, कहा कि आयुष्मान भारत योजना की सफलता ने देश में एक नया आयाम स्थापित किया। पहले किसी परिवार में बीमारी संकट बन जाती थी, लेकिन आज देश के 50 करोड़ और उत्तर प्रदेश के 10 करोड़ लोग इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं।

जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने सेवा सुशासन और गरीब कल्याण की ग्यारहवीं वर्षगांठ पर कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को सरकार की उपलब्धियों को गर्व के साथ प्रचारित करने को कहा, ताकि विरोधियों के दुष्प्रचार का जवाब दिया जा सके, जिससे जनता किसी भी बहकावे में ना आए। उन्होंने हर घर नल योजना, उज्ज्वला योजना, और प्रधानमंत्री आवास योजना की सफलता पर भी जोर दिया। कहा कि देश भर में एक्सप्रेसवे का जाल बिछाना, रेल ब्रिज के माध्यम से जम्मू को कश्मीर से जोड़ना, रक्षा उत्पादों में देश को आत्मनिर्भर बनाना, ब्रह्मोस मिसाइल और तेजस विमान का का निर्माण, बौद्ध सर्किट, बाबा साहब की स्मृति में पंच तीर्थों का निर्माण, अयोध्या में राम मंदिर का शिलान्यास और प्राण प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ धाम का पुनरुद्धार, अर्धकुंभ और महाकुंभ जैसे आयोजन देश और प्रदेश की छवि को बदल रहे हैं। प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष सुरजीत कुशवाहा , के पी सिंह , मदनलाल सिंह ,रोहित तिवारी , अमित गुप्ता , बृजेश सिंह सहित मण्डल के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

संदिग्ध अवस्था मे कबाड़खाने में लगी आग

अयोध्या। बुधवार की देर रात कोतवाली नगर क्षेत्र के वजीरगंज जप्ती स्थित कबाड़ियों के कबाड़ खाने में संदिग्ध अवस्था में भीषण आग लग गई।जिसके चलते आसपास के इलाकों में हड़कंप मच गया। अग्निकांड की सूचना स्थानीय लोगों ने फायर विभाग को दिया। घटना की सूचना मिलते ही अग्नि शमन अधिकारी प्रदीप कुमार पांडे ने तीन दमकल वाहनों तथा फायर कर्मियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गए। भीषण आग लगे होने के चलते काफी मशक्कत के बाद फायर विभाग के कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया। लोगों की माने कि इससे पहले अन्य सामान विभाग के कर्मी आग पर काबू पाते तब तक वहां पर रखे कबाड़ राख में हो चुकी थी।

उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र पर साक्षात्कार 16 जून को

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र ने अवगत कराया है कि ओडीओपी टूलकिट एवं प्रशिक्षण योजना 2025–26 के अन्तर्गत जिन सम्बन्धित लोगो ने आवेदन किया है उनका साक्षात्कार 16 जून 2025 पूर्वान्ह 11.00 बजे कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र जौनपुर में प्रस्तावित है। साक्षात्कार की उक्त तिथि में आधार कार्ड/लाईसेंस/पैन कार्ड/अन्य कोई प्रमाणित पहचान पत्र के साथ ससमय स्वयं उपस्थित होने का कष्ट करें, जिससे की शासन द्वारा नामित कमेटी द्वारा लाभार्थियों का चयन किया जा सके।

यातायात पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

अयोध्या। एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर के दिशा निर्देश पर सभी थाना क्षेत्र में यातायात नियमों की अनदेखी करने के साथ–साथ नंबर प्लेट का गलत दुरुपयोग करने, चार पहिया वाहनों पर काली पन्नी लगाने वाले वाहन चालकों पर पुलिस प्रशासन कार्यवाही करने में जुटा हुआ है। बुधवार की देर शाम एसपी ट्रैफिक एपी सिंह के देख रेख में शहर क्षेत्र के सभी चौराहों तथा प्रमुख मार्गो पर ऐसे वाहन जिस पर काली पन्नी लगी हुई थी उसको उतरवाया गया साथ ही साथ यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा सख्त हिदायत देते हुए छोड़ गया कि अगली बार ऐसा करता पाया गया तो उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जाएगी।इस दौरान कई ऐसे वाहन चालक तथा दो पहिया वाहन चालक नजर आए जो अपने वाहनों पर लगे नंबर प्लेटों का गलत दुरुपयोग किए हुए थे।उनके वृद्धि में यातायात पुलिस कर्मियों ने कठोर कार्यवाही किया।इसके अलावा जिले के अन्य थाना क्षेत्र में इस तरह का सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।इस संबंध में एसपी ट्रैफिक एपी सिंह ने बताया यह कार्यवाही अभी लगभग 15 दिन तक चलेगी।उन्होंने बताया कि इस दौरान वाहनों में लगी काली पन्नी, गलत नंबर प्लेट का दुरुपयोग, दो पहिया तथा चार पहिया वाहनों के आगे पीछे किसी पद का नाम अंकित होना सहित यातायात मानक पर ना खड़े होने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध अभियान चलाया जाएगा। चेकिंग के दौरान यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

हाईस्कूल एवं इंटरमीडियट के मेधावी छात्रों को किया गया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद के मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चंद्र यादव, विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्र, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया सहित अन्य की उपस्थिति में हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 में जनपद स्तर पर प्रथम 10 स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, मेडल रु0 21,000 का सांकेतिक चेक एवं टैबलेट देकर सम्मानित किया गया। मेधावी छात्रों को सम्मानित करते हुए मा0 राज्यमंत्री तथा विधायक बदलापुर ने सभी छात्र–छात्राओं के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जिससे न केवल हम समाज में परिवर्तन ला सकते हैं, अपितु अपने सपनों को साकार कर सकते हैं तथा देश के विकास में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने सभी बच्चों से कहा कि शिक्षा के बल पर हम किसी भी परिस्थिति में आगे बढ़ सकते है। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी ने मेहनत और लगन से जो सफलता हासिल किये है, वह पूरे जनपद के लिए गर्व की बात है। आने वाले समय में आप और भी ऊँचाइयाँ छुएँ, यही हमारी शुभकामनाएँ हैं।

समारोह में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल, जिला समन्वयक माध्यमिक डॉ. राजन सिंह, प्रधानाध्यापक राजेश विश्वकर्मा, जितेंद्र यादव, प्रेमचंद यादव, प्रभाकर सिंह, ब्रह्मजीत यादव, सहायक अध्यापक आदर्श वर्मा और नीतिश सिंह सहित सभी सम्मानित अभिभावक एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल छात्रों को सम्मानित करना था, बल्कि अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करना था कि वे भी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त कर समाज और देश का नाम रोशन करें। कार्यक्रम के अंत में जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार द्वारा विधायक एवं सभी सम्मानित विद्यार्थियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

छात्रों में चिंतन, नवाचार, शोध क्षमता का विकास हो रहा है – प्रो. अजय दुबे

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोहम्मद हसन पी.जी. कॉलेज, जौनपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग (बी.एड.) द्वारा दिनांक 12 जून 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 रू चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं वक्ता प्रोफेसर अजय कुमार दुबे, संकायाध्यक्ष, (शिक्षक–शिक्षा) बी.एड संकाय, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कर–कमलों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान की अध्यक्षता में सम्पन्न इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो. दुबे ने अपने व्याख्यान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विशेषताओं, महत्व, उद्देश्यों तथा इसके क्रियान्वयन में आने वाली प्रमुख चुनौतियों एवं समाधान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह नीति भारतीय शिक्षा जगत में एक ऐतिहासिक परिवर्तन की दिशा में सार्थक कदम है जो छात्रों की रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन, नवाचार एवं शोध क्षमता को बढ़ावा देगी। सेमिनार के दौरान उन्होंने विद्यालयी शिक्षा, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण, तकनीकी शिक्षा सहित नीति के सभी प्रमुख बिंदुओं पर अपनी बात रखी। साथ ही, इसके सफल क्रियान्वयन हेतु शैक्षिक संस्थानों, शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की सामूहिक भूमिका पर बल दिया। प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति का उद्देश्य भारत को ज्ञान आधारित वैश्विक महाशक्ति बनाना है। यह नीति शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता एवं पहुँच को सुदृढ़ बनाने हेतु अनेक नए अवसर प्रदान करती है। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान ने महाविद्यालय में शिक्षण की गुणवत्ता सुधारने हेतु शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सदैव तत्पर एवं जागरूक रहने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सौलत फरीदी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ सुनील दत्त मिश्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर खान की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व प्रदान किया। कार्यक्रम में डॉ जीवन यादव,डॉ. प्रज्वलित यादव, डॉ. गुलाबचंद मौर्य, डॉ. आशीष कुमार श्रीवास्तव, डॉ. संतोष कुमार यादव इत्यादि, छात्र एवं छात्राएँ उपस्थित रहे।

मेदांता हास्पिटल द्वारा प्रेस क्लब में निशुल्क जांच शिविर आयोजित

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मेदांता हॉस्पिटल की ओर से गुरुवार दोपहर 1 बजे से प्रेस क्लब सिविल लाइन में एक दिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव ने स्वयं अपनी स्वास्थ्य जांच कराकर किया। इस शिविर में प्रेस क्लब के सचिव जयप्रकाश सिंह भी उपलब्ध थे।वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार सिंह ने भी जांच करायी। पत्रकारों व उनके परिजनों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई, जिसमें बीपी, शुगर, ईसीजी, हृदय रोग परामर्श सहित विभिन्न जांचें शामिल थीं। शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम मौजूद रही, जिन्होंने मरीजों को प्राथमिक परामर्श और उचित सलाह दी। अध्यक्ष सुरेंद्र श्रीवास्तव ने मेदांता हॉस्पिटल के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि पत्रकारों की व्यस्त जीवनशैली में स्वास्थ्य की अनदेखी आम बात है। ऐसे शिविर उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे। शिविर में बड़ी संख्या में पत्रकारों और उनके परिजनों ने भाग लिया और सुविधाओं का लाभ उठाया।आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन जारी रहेगा।

बाल श्रम निषेध के विषय पर विचार गोष्ठी का किया गया आयोजन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) अन्तर्राष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर आज कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, धर्मशाला रोड सिनेमा चौराहा हरदोई में बाल श्रम निषेध के विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता योगेन्द्र दत्त मिश्रा, ईट भट्ठा एसोशियेसन के द्वारा की गयी। गोष्ठी का संचालन सत्यबीर सिंह, सहायक श्रमायुक्त, हरदोई द्वारा अध्यक्ष की अनुमति पर प्रारम्भ किया गया जिसमें जनपद में बाल श्रम नियोजन के प्रतिषेध, शिक्षा एवं उत्थान के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी। गोष्ठी का प्रारम्भ विजय बहादुर सिंह, अध्यक्ष सेवा भारती द्वारा किया गया जिसमें उनके द्वारा कहा गया कि बाल श्रम को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिये कार्य योजना बनाये हेतु विचार विमर्श किया गया साथ ही चिन्हित बाल श्रमिकों को संस्कार और शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में लाने का लक्ष्य तय किया गया। सुधीर अवस्थी, सहकारी समिति, हरदोई द्वारा बाल श्रम उन्मूलन हेतु पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन देते हुए अधिनियम के प्रावधानों पर गोष्ठी में उपस्थित सदस्यों को सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गयी। गोष्ठी में पिंकी सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा विभाग की योजनाओं, मुख्य भक्ति, बाल श्रम योजना एवं स्पान्सर शिप योजना के माध्यम से अनाथ बाल श्रमिकों एवं भिक्षा में लगे बच्चों के उत्थान एवं कल्याण हेतु योजनाओं के महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया। गोष्ठी में शामिल अनूप तिवारी, चाइल्ड हेल्प लाइन, प्रोजेक्ट क्वार्डीनेटर द्वारा खोये पाये बच्चों अथवा अवैध व्यापार में शामिल बच्चों के रेसक्यू व हेल्पलाइन 1098 डायल 112 के माध्यम से उनके गन्तव्य तक पहुंचाने व शिक्षा की मुख्य धारा से जोडने पर प्रकाश डाला गया। गोष्ठी में सत्यबीर सिंह, सहायक श्रमायुक्त, हरदोई द्वारा बताया गया कि अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा 12 जून 2002 से विश्व बाल श्रम प्रतिषेध हेतु अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार विश्व बाल श्रम मुक्त कराने हेतु कार्य किया जा रहा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।